कट्टुपल्लि में USNS वॉली शिर्रा: जहाज़-मरम्मत सहयोग

रक्षा • भारत-अमेरिका संबंध | GS-III (रक्षा), GS-II | समाचार-संदर्भ: 20 नवंबर 2026 (कट्टुपल्लि पहुँचना; विदेश मंत्रालय का बयान)
प्रिलिम्स: MSRA, LEMOA, मिलिट्री सीलिफ्ट कमांड | प्रकाशन: 21 नवंबर 2026



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

अमेरिकी नौसेना का आपूर्ति-पोत USNS वॉली शिर्रा मरम्मत के लिए चेन्नई के निकट एलएंडटी के कट्टुपल्लि शिपयार्ड पहुँचा। विदेश मंत्रालय के अनुसार कट्टुपल्लि में किसी अमेरिकी नौसैनिक जहाज़ की मरम्मत का यह **पाँचवाँ अवसर** है, भारत की जहाज़-मरम्मत क्षमता में बढ़ते अमेरिकी भरोसे का संकेत। यह मरम्मत भारत-अमेरिका **मास्टर शिप रिपेयर एग्रीमेंट (MSRA)** के तहत होगी।

जहाज़ और मिशन

- **USNS वॉली शिर्रा**: अमेरिकी नौसेना के मिलिट्री सीलिफ्ट कमांड का लुईस एंड क्लार्क-श्रेणी का शुष्क कार्गो और गोला-बारूद पोत; यह विश्वभर में अमेरिकी सेना और सरकारी एजेंसियों को समुद्री परिवहन, रसद और विशेष समर्थन देता है।

2022 से अब तक की मरम्मत-यात्रा

- **अगस्त 2022**: USNS चार्ल्स ड्रू, किसी भारतीय शिपयार्ड में मरम्मत कराने वाला पहला अमेरिकी नौसैनिक पोत।
- **मार्च 2023**: USNS मैथ्यू पेरी।
- **2023**: कट्टुपल्लि शिपयार्ड ने अमेरिकी नौसेना के साथ MSRA पर हस्ताक्षर किए, सहयोग को संस्थागत रूप मिला; शिपयार्ड अमेरिकी जहाज़ों की "वॉयेज रिपेयर" कर सकता है।
- **जुलाई 2023**: USNS साल्वर।
- **दिसंबर 2024**: USNS चार्ल्स ड्रू दोबारा मरम्मत के लिए आया।
- **नवंबर 2026**: USNS वॉली शिर्रा, चालकदल के आने-जाने को सुगम बनाने वाले **संशोधित SOP** के लागू होने के बाद पहुँचा पहला अमेरिकी पोत।

संशोधित SOP क्यों खास

नया SOP विदेश मंत्रालय, गृह मंत्रालय, रक्षा मंत्रालय, ब्यूरो ऑफ इमिग्रेशन और रक्षा उत्पादन विभाग ने मिलकर तैयार किया, विदेशी नौसैनिक जहाज़ों के चालकदल के प्रवेश-निर्गमन को सरल बनाने वाला "whole-of-government" प्रयास। इसका उद्देश्य चालकदल की आवाजाही की प्रक्रिया सरल बनाना है। MRO का अर्थ रखरखाव, मरम्मत और बड़े स्तर का पुनर्सुधार है; वास्तविक मरम्मत-अवधि में कितनी कमी हुई, इसका आँकड़ा विज्ञप्ति नहीं देती।

रणनीतिक महत्व

- **रसद-सहयोग की परिपक्वता**: LEMOA (2016) के बाद लॉजिस्टिक्स सहयोग धीरे-धीरे गहरा हुआ; MSRA उसी शृंखला का औद्योगिक आयाम है।
- **हिंद महासागर में उपयोगिता**: अमेरिकी पोतों को हिंद महासागर क्षेत्र में ही मरम्मत सुविधा मिलने से उनकी परिचालन-अवधि बढ़ती है; भारत के लिए यह रणनीतिक साझेदारी की गहराई दर्शाता है।
- **औद्योगिक संकेत**: निजी क्षेत्र (एलएंडटी) का उच्च-स्तरीय नौसैनिक MRO में प्रवेश, "मेक इन इंडिया" और रक्षा-आत्मनिर्भरता के लक्ष्य से जुड़ा।

आगे की राह

समय पर मरम्मत, गुणवत्ता और चालकदल की सुगम आवाजाही से भारत की जहाज़-मरम्मत क्षमता को काम मिल सकता है। ऐसे करार को सैन्य गठबंधन, स्थायी अड्डे या संयुक्त जहाज़-निर्माण की घोषणा नहीं समझना चाहिए। LEMOA रसद-सहयोग का अलग ढाँचा है; MSRA शिपयार्ड में मरम्मत की पात्रता और व्यवस्था से जुड़ा है।

PCS MANTRA

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: किसी भारतीय शिपयार्ड में मरम्मत कराने वाला पहला अमेरिकी नौसैनिक पोत USNS चार्ल्स ड्रू था

कथन 2: मास्टर शिप रिपेयर एग्रीमेंट (MSRA) भारत और जापान की नौसेनाओं के बीच का समझौता है

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1, न ही 2

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (a) अगस्त 2022 में USNS चार्ल्स ड्रू कट्टुपल्लि आया; MSRA एलएंडटी के कट्टुपल्लि शिपयार्ड और अमेरिकी नौसेना के बीच 2023 में हुआ।

प्रश्न 2: USNS वॉली शिर्रा के संदर्भ में सही कथन चुनिए:

(a) यह अमेरिकी नौसेना का विमानवाहक युद्धपोत है

(b) यह मिलिट्री सीलिफ्ट कमांड का शुष्क कार्गो एवं गोला-बारूद पोत है

(c) यह अमेरिकी तटरक्षक बल की गश्ती नौका है

(d) यह परमाणु-ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी है

▼ उत्तर और व्याख्या

उत्तर: (b) यह लुईस एंड क्लार्क-श्रेणी का शुष्क कार्गो और गोला-बारूद पोत है जो मिलिट्री सीलिफ्ट कमांड के अंतर्गत रसद-सहायता देता है।

PCS MANTRA

FAQ

संक्षिप्त उत्तर: अमेरिकी आपूर्ति-पोत USNS वॉली शिर्रा कट्टुपल्लि (चेन्नई) में मरम्मत के लिए पहुँचा; विदेश मंत्रालय के अनुसार यह पाँचवाँ ऐसा अवसर है और संशोधित SOP के बाद पहला।

प्रश्न: MSRA क्या है?

मास्टर शिप रिपेयर एग्रीमेंट, कट्टुपल्लि शिपयार्ड और अमेरिकी नौसेना के बीच 2023 का करार, जिससे शिपयार्ड अमेरिकी जहाज़ों की यात्रा-मरम्मत कर सकता है।

प्रश्न: संशोधित SOP से क्या बदला?

विदेशी नौसैनिक चालकदल का प्रवेश-निर्गमन सरल हुआ; इसे पाँच केंद्रीय मंत्रालयों/विभागों ने मिलकर बनाया, और वॉली शिर्रा इसके बाद आया पहला पोत है।

प्रश्न: भारत के लिए इसका क्या लाभ है?

उच्च-स्तरीय MRO क्षमता का प्रदर्शन, रक्षा-उद्योग को काम, और हिंद महासागर में रणनीतिक साझेदारी की गहराई।

स्रोत

1. डीडी न्यूज़ (विदेश मंत्रालय के बयान के आधार पर): https://ddnews.gov.in/en/usns-wally-schirra-arrives-at-kattupalli-for-repairs-highlighting-indias-growing-ship-repair-capabilities/
2. अमेरिकी Military Sealift Command, पोत-वर्ग और सूची: https://www.msc.usff.navy.mil/Ships/Ship-Inventory/Dry-Cargo-Ammunition-Ships/
3. रक्षा मंत्रालय, LEMOA (2016): https://pib.gov.in/newsite/PrintRelease.aspx?relid=149322

PCS MANTRA